कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, कतीरा, भोजपुर, आरा,

(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)

bhojpurkvk@gmail.com

09431091369

मौसम आधारित कृषि परामर्श

भोजपुर जिले के मौसम का पूर्वानुमान

मौसम कारक	08.05.2024	09.05.2024	10.05.2024	11.05.2024	12.05.2024
वर्षा (मि.मी.)	10.0	10.0	8.0	3.0	2.0
अधिकतम तापमान (से.)	36.0	34.0	33.0	33.0	34.0
न्यूनतम तापमान (से.)	22.0	21.0	21.0	21.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	70	68	66	64
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	28	25	24	20
हवा की गति (कि.मी. प्रति घंटा)	16	15	15	18	18
पवन दिशा (डिग्री)	110	100	70	70	100
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	7	7	6	6

मौसम सारांश / चेतावनी :

- भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 08 से 12 मई के दौरान पक्षिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण जिले में एक या दो स्थानों पर हल्की वर्षा मेघ गर्जन के साथ हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 02–03 डिग्री सेंटीग्रड की कमी का अनुमान है। अधिकतम तापमान 35–37 डिग्री सेंटीग्रेट और न्यूनतम तापमान 20–22 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है।
- सापेक्षित आर्द्रता सुबह में 60 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 28 से 35 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पुर्वानुमान की अवधी में 14–18 किमी/घंटा की रफतार से पूरवा हवा चल सकती है।

सामान्य सलाह :

पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की संभावना को देखते हुए मक्का एवं सब्जियों में सिचाई स्थगित करें। कीब्नाशक दवा एवं खाद का छिड़काव मौसम साफ रहने पर ही करें।

लघु संदेश सलाह :

आकाशीय बिजली से सुरक्षा हेतु अलर्ट हेतु ''दामिनी'' मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

फसल विशिष्ट सलाह :

चावल	धान की नर्सरी के लिए खेत की तैयारी करें। देर से पकने वाली किस्मों की नर्सरी 25 मई से लगा सकते हैं। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करें। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800–1000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई 1.25–1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधा अनुसार रखें। बीच की व्यवस्था प्रमाणित स्रोत से करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह :

भिण्डी	भिंडी की फसल में तुड़ाई के बाद युरिया @ 5–10 कि0ग्रा0 प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें तथा माईट कीट की निरंतर निगरानी करते रहें। अधिक कीट पाये जाने पर ईथियॉन @ 1.5–2 मि0ली0 / लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। इस मौसम में भिंडी की फसल में हल्की सिंचाई कम अंतराल पर करें।
लीची	लीची के पेड़ में अगर माइट्स लग गया है तो उसमें इथियन 50 ई0सी0 @ 2 मि0ली0/लीटर पानी में घोल बनाकर आसमान साफ रहने पर ही करें।
आम	आम के पेड़ में मिलीबग (दहिया कीट) की निगरानी करें। यह कीट चिपटे गोल आकार निगरानी की ट एवं शरीर पर सफेद दही के रंग का पाउडर चिपका रहता है। यह आम के पेड़ में मुलायम डालों और मंजर वाले भाग में बहुतों की संख्या में चिपका हुआ देखा जा सकता है तथा यह उन हिस्सों से लागातार रस चुसता रहता है जिससे अक्रान्त भाग सुख जाता है तथा मंजर झड़ जाते हैं। इस कीट से रोकथाम हेतु डाइमेथोएट 30 ई0सी0 दवा का 1.0 मि0ली0/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर पेड़ पर समान रू‍प से छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।

पशुपालन पालन विशिष्ट सलाहः

गाय	गलघोटू एवं लंगड़ी रोग से बचाव के लिए टीकाकरण कराने की आवश्यकता है। सभी दुधारू प्शुओं में टीकाकरण आवश्य करायें। नए गेहूँ के भूसा को खिलाने के पूर्व करीब 2 घंटा पानी में फुला लें एवं 50 ग्राम खनिज मिश्रण तथा 50 ग्राम नमक, चारा दाना मिलाकर दें।